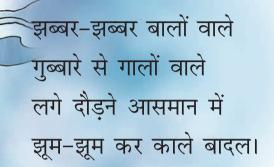


मन के भोले-भाले बादल





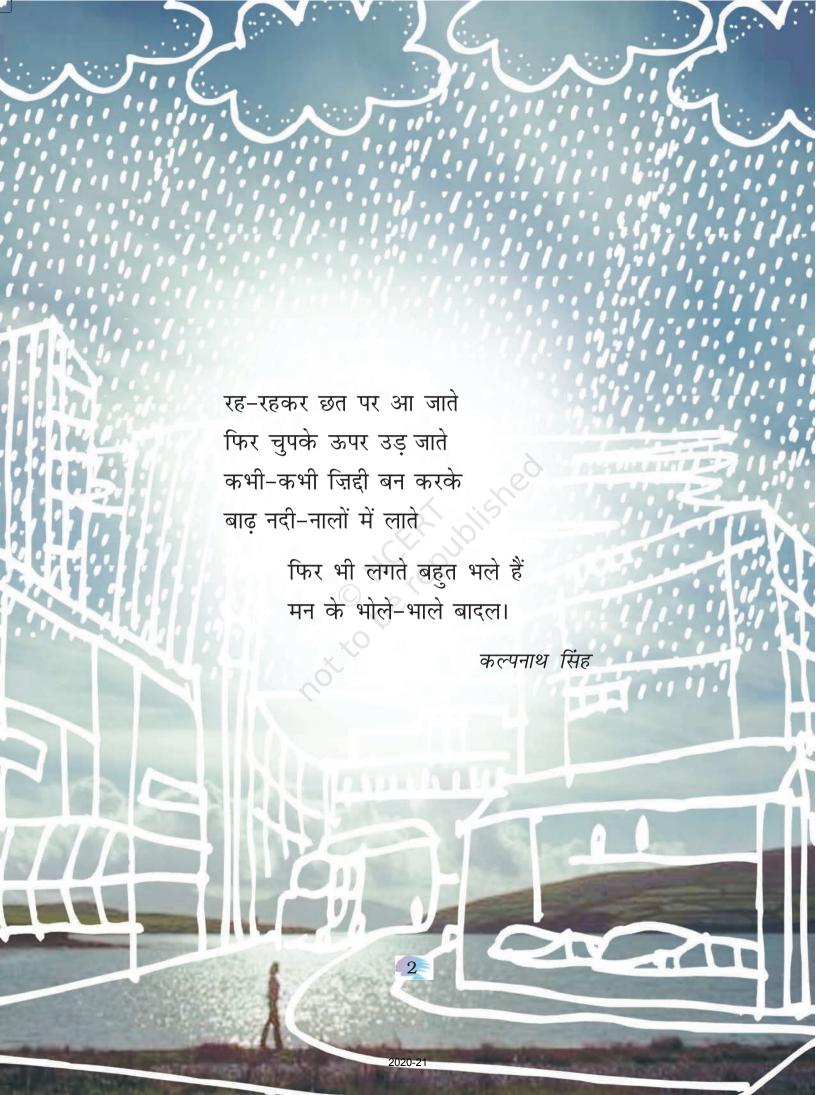
कुछ जोकर-से तोंद फुलाए कुछ हाथी-से स्ँड उठाए कुछ ऊँटों-से कूबड़ वाले कुछ परियों-से पंख लगाए

आपस में टकराते रह-रह शेरों से मतवाले बादल।

> कुछ तो लगते हैं तूफ़ानी कुछ रह-रह करते शैतानी कुछ अपने थैलों से चुपके झर-झर-झर बरसाते पानी

नहीं किसी की सुनते कुछ भी ढोलक-ढोल बजाते बादल।







तुम्हारी समझ से

कभी कभी जिद्दी बन करके बाढ़ नदी-नालों में लाते

(क) बादल नदी-नालों में बाढ़ कैसे लाते होंगे?

नहीं किसी की सुनते कुछ भी ढोलक-ढोल बजाते बादल

(ख) बादल ढोल कैसे बजाते होंगे?

कुछ तो लगते हैं तूफ़ानी कुछ रह-रह करते शैतानी

(ग) बादल कैसी शैतानियाँ करते होंगे?



न्म् कैसा-कौन

	केसा	कौन
सूरज-सी	चमकोली	थाली
चंदा -सा	×	•••••
हाथी-सा	•••••	•••••
जोकर-सा	•••••	•••••
परियों-सा	•••••	•••••
गुब्बारे-सा	•••••	•••••
ढोलक-सा	•••••	***************************************



🎊 🧖 कविता से आगे

- (क) तूफ़ान क्या होता है? बादलों को तूफ़ानी क्यों कहा गया है?
- (ख) साल के किन-किन महीनों में ज़्यादा बादल छाते हैं?
- (ग) कविता में 'काले' बादलों की बात की गई है। क्या बादल सचमुच काले होते हैं?
- (घ) कक्षा में बातचीत करो और बताओ कि बादल किन-किन रंगों के होते हैं।



कैसे-कैसे बादल

(क) तरह-तरह के बादलों के चित्र बनाओ।

काले-काले डरावने गुब्बारे-से गालों वाले

हल्के-फुल्के सुहाने

(ख) किवता में बादलों को 'भोला' कहा गया है। इसके अलावा बादलों के लिए और कौन-कौन से शब्दों का इस्तेमाल किया गया है? नीचे लिखे अधूरे शब्दों को पूरा करो।

म	<u> </u>
शै	त्



बारिश की आवाज़ें

कुछ अपने थैलों से चुपके झर-झर-झर बरसाते पानी पानी के बरसने की आवाज़ है झर-झर-झर! पानी बरसने की कुछ और आवाज़ें लिखो।



कैसे-कैसे पेड़

बादलों की तरह पेड़ भी अलग-अलग आकार के होते हैं। कोई बरगद-सा फैला हुआ और कोई नारियल के पेड़ जैसा ऊँचा और सीधा।

अपने आसपास अलग-अलग तरह के पेड़ देखो। तुम्हें उनमें कौन-कौन से आकार दिखाई देते हैं? सब मिलकर पेड़ों पर एक कविता भी तैयार करो।